vinetur

जर्मनी पर्यटन को स्थिरता के इर्द-गिर्द नए सिरे से गढ़ रहा है

शहर और क्षेत्र रेल यात्रा, प्रकृति-आधारित यात्राओं और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देकर देश की पारंपरिक छवि से आगे पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं.

सोमवार, 4 मई 2026



जर्मनी 2026 में पर्यटन का एक नया मॉडल अपनाने की ओर बढ़ रहा है, जो स्थिरता, तकनीक और स्थानीय संस्कृति पर आधारित है। देश अपनी परिचित छवि—बीयर हॉल, किले और संग्रहालयों—से आगे पर्यटकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। ट्रैवल ऑपरेटर, क्षेत्रीय अधिकारी और आयोजनकर्ता शहरी डिज़ाइन, आउटडोर अनुभवों और खाद्य परंपराओं के ऐसे मिश्रण को बढ़ावा दे रहे हैं, जो इस व्यापक बदलाव को दर्शाता है कि जर्मन खुद कैसे यात्रा कर रहे हैं और खर्च कर रहे हैं।

यह बदलाव इस बात में साफ दिखता है कि गंतव्यों का विपणन कैसे किया जा रहा है। बर्लिन, हैम्बर्ग, म्यूनिख, वाइमर और डेसाउ जैसे शहर बड़े सांस्कृतिक आयोजनों के साथ हरित गतिशीलता, अधिक रेल यात्रा और ऐसे अनुभवों को जोड़ रहे हैं जिनमें सिर्फ देखने के बजाय गहराई से जुड़ने पर जोर है। यह संदेश सिर्फ विदेशी पर्यटकों के लिए नहीं, बल्कि घरेलू यात्रियों के लिए भी है, जो भीड़भाड़ वाले हॉटस्पॉट से बचने और अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए जर्मनी के भीतर छोटी यात्राएँ अधिक चुन रहे हैं।

यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब जर्मन यात्री अब भी दुनिया के सबसे बड़े विदेश-खर्च करने वालों में शामिल हैं। 2026 के लिए उद्योग अनुमान कुल जर्मन यात्रा खर्च लगभग 86 अरब यूरो बताते हैं, जो पिछले वर्ष से 3% अधिक है। यात्रियों की संख्या करीब 138 मिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है, जो पहले के शिखरों से थोड़ा कम है, क्योंकि आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनावों के चलते घर-परिवार सतर्क बने हुए हैं। लोकप्रिय आउटबाउंड गंतव्यों में तुर्की, स्पेन, इटली, मिस्र और ट्यूनीशिया शामिल हैं।

देश के भीतर रुझान उस यात्रा की ओर है जिसे पर्यटन विपणक उद्देश्य-आधारित यात्रा कहते हैं। अधिक जर्मन अकेले यात्रा कर रहे हैं, पीढ़ियों तक फैले पारिवारिक समूहों के साथ या पालतू जानवरों के साथ। सड़क यात्राएँ अब भी खास तौर पर लोकप्रिय हैं; कई यात्री उड़ान की तुलना में ड्राइविंग की लचीलापन को तरजीह दे रहे हैं। प्रकृति-केंद्रित यात्रा भी तेजी पकड़ रही है। उद्योग आंकड़ों के अनुसार, जिन्हें पर्यटन प्रवर्तकों ने उद्धृत किया है, अब 34% से अधिक पर्यटक शहरी परिवेश की तुलना में प्राकृतिक परिदृश्यों को प्राथमिकता देते हैं।

इस पसंद ने ब्लैक फॉरेस्ट और बवेरियन आल्प्स जैसे इलाकों में पक्षी अवलोकन, मछली पकड़ने और जंगली खाद्य-संग्रह जैसी शांत गतिविधियों में रुचि बढ़ाई है। इससे पुनर्योजी पर्यटन परियोजनाओं को भी बल मिला है, जिनमें आगंतुकों से सिर्फ नुकसान न पहुँचाने की नहीं, बल्कि संरक्षण कार्य या स्थानीय स्वयंसेवा के जरिये किसी जगह को पहले से बेहतर छोड़ने की अपेक्षा की जाती है।

जर्मनी का रेल नेटवर्क और बढ़ता इलेक्ट्रिक वाहन ढाँचा इस संदेश का केंद्रीय हिस्सा बन गए हैं। घरेलू पर्यटन मजबूत बना हुआ है, और कई क्षेत्र आगंतुकों को भीड़भाड़ वाले केंद्रों से हटाकर कम-ज्ञात कस्बों और ग्रामीण इलाकों की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ क्षेत्रीय अभियानों की भाषा में देश खुद को “neo-green” यानी “नियो-ग्रीन” के रूप में पेश कर रहा है : अत्यधिक जुड़ा हुआ, लेकिन फिर भी जंगलों, नदियों और पैदल घूमे जा सकने वाले ऐतिहासिक केंद्रों से जुड़ा हुआ।

पुराने और नए का यही मिश्रण इस साल जर्मनी के सांस्कृतिक कैलेंडर को भी आकार दे रहा है। बर्लिन में Carnival of Cultures 22 से 25 मई तक आयोजित होगा और विविधता का उत्सव मनाने वाले यूरोप के सबसे बड़े त्योहारों में बना रहेगा। जून में Hamburger Bahnhof अपना आउटडोर कार्यक्रम समकालीन कला प्रतिष्ठानों के साथ शुरू करेगा, जिन्हें सार्वजनिक स्थान में गति पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किया गया है। इसी महीने Kieler Woche 20 से 28 जून तक उत्तरी बंदरगाह शहर को एक बड़े समुद्री उत्सव में बदल देगा, जिसमें नौकायन दौड़ें, संगीत कार्यक्रम और नॉर्थ सी सीफूड पर केंद्रित खाद्य स्टॉल होंगे।

बर्लिन की Rave The Planet परेड 15 अगस्त को लौट रही है—टेक्नो संगीत के राजनीतिक और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में—जिसे आयोजक Love Parade की विरासत का विस्तार बताते हैं। UNESCO द्वारा टेक्नो को जर्मनी की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा मान्यता दिए जाने के बाद इस आयोजन का महत्व और बढ़ गया है।

अन्य प्रमुख गर्मी आयोजनों में म्यूनिख का Tollwood Sommerfestival शामिल है, जो 18 जून से 19 जुलाई तक Olympiapark में होगा; Rhein in Flammen, जो गर्मी भर राइन नदी किनारे कई तारीखों पर आयोजित होगा ; नूर्नबर्ग का Rock im Park 5 से 7 जून तक; Gräfenhainichen का Splash! Festival 2 से 4 जुलाई तक Ferropolis में; Schleswig-Holstein का Wacken Open Air 29 जुलाई से 1 अगस्त तक ; और Hamburg का Reeperbahn Festival 16 से 19 सितंबर तक होगा।

पर्यटन अधिकारी Hamburg के Speicherstadt ज़िले में शाम की क्रूज़ यात्राओं और Saxony's Elbe Sandstone Mountains में Bastei चट्टानी संरचनाओं के आसपास पैदल यात्राओं जैसे दृश्यात्मक अनुभवों को भी रेखांकित कर रहे हैं। Weimar और Dessau में Bauhaus-संबंधित मार्ग आधुनिकतावादी डिज़ाइन और मिनिमलिस्ट सौंदर्यशास्त्र में बढ़ती रुचि के हिस्से के रूप में फिर ध्यान खींच रहे हैं।

खाना-जाना भी जर्मनी की नई पहचान का एक अहम हिस्सा बन गया है। हालांकि सॉसेज और प्रेट्ज़ल राष्ट्रीय छवि के केंद्र में बने हुए हैं, देश भर के शेफ मौसमी उपज, स्थानीय स्रोतों से सामग्री लेने और हल्की पाक शैली पर अधिक जोर दे रहे हैं। म्यूनिख और हैम्बर्ग जैसे शहरों में कुछ Michelin-starred रसोईयों ने छतों या आसपास के खेतों में उगाई गई सब्जियों की ओर रुख किया है।

फार्म-टू-टेबल दृष्टिकोण फाइन डाइनिंग और कैज़ुअल रेस्तराँ—दोनों में अधिक आम हो गया है। स्ट्रीट फूड भी बदला है। बर्लिन की फास्ट-फूड संस्कृति से लंबे समय से जुड़ा döner kebab अब कुछ विक्रेताओं द्वारा स्थानीय रूप से प्राप्त मांस या शाकाहारी भरावन वाले उच्च-स्तरीय संस्करणों में ढाला जा रहा है। कुछ शहरों में यह currywurst से भी अधिक लोकप्रिय त्वरित भोजन बन गया है।

वसंत अब भी spargelzeit यानी शतावरी का मौसम रहता है, जब सफेद शतावरी पूरे जर्मनी के मेन्यू पर hollandaise sauce और ham के साथ दिखाई देती है। schnitzel, rouladen और maultaschen जैसे पारंपरिक व्यंजन भी मेन्यू की रीढ़ बने हुए हैं। schnitzel अब फ्राइज़ की जगह खीरा-दिल सलाद जैसे हल्के साइड्स के साथ अधिक परोसा जा रहा है। rouladen धीमी आँच पर पकाया जाने वाला आरामदेह व्यंजन बना हुआ है, जिसमें बीफ़ रोल करके उसके भीतर mustard, onions and pickles भरे जाते हैं। Swabia से जुड़ा stuffed pasta maultaschen अब भी या तो broth में या onions and egg के साथ pan-fried रूप में परोसा जाता है।

क्षेत्रीय स्ट्रीट फूड भी महत्वपूर्ण बना हुआ है: Hamburg and Kiel में fish sandwiches; Baden-Württemberg में flammkuchen; और Berlin स्थित Konnopke's Imbiss जैसे लंबे समय से स्थापित ठेलों पर currywurst के अद्यतन संस्करण।

रविवार दोपहरों में मिठाइयों का महत्व अब भी बना हुआ है। Schwarzwälder Kirschtorte जर्मनी के सबसे प्रसिद्ध केकों में से एक बनी हुई है; Käsekuchen अब भी cream cheese की बजाय quark से बनाया जाता है ; और Apfelstrudel अब भी गरम-गरम vanilla sauce के साथ परोसा जाता है।

खपत घटने के बावजूद बीयर जर्मन खाद्य संस्कृति का केंद्रीय हिस्सा बनी हुई है। प्रति व्यक्ति औसत बीयर सेवन 1995 के लगभग 131 लीटर से घटकर अब करीब 81.6 लीटर प्रति वर्ष रह गया है—तीन दशकों में लगभग 40% की गिरावट। Bavaria अभी भी Helles lager को तरजीह देता है जबकि उत्तरी क्षेत्र Pilsner-style beers की ओर झुकते हैं। Berlin and Leipzig जैसे शहरों में craft breweries का विस्तार हुआ है, जहाँ ब्रुअर fruit flavors और Gose जैसी पुरानी fermentation methods पर प्रयोग कर रहे हैं।

Wine भी नए दर्शक पा रही है। Mosel River किनारे Riesling उत्पादक vineyards के बीच electronic music जोड़कर होने वाले "wine raves" कार्यक्रमों के जरिये युवा उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहे हैं।

जर्मनी के पर्यटन उद्योग के लिए इस साल लक्ष्य साफ़ है : ऐसा देश पेश करना जो सुबह जंगल दे सके, दोपहर में डिज़ाइन संग्रहालय दे सके और रात में गंभीर भोजन—और वह भी स्थिरता या स्थानीय पहचान से समझौता किए बिना।